❖ 'वर्षा' मैडम तो 'निकली' छुपी 'रुस्तम', आते ही 'मारने' लगी 'सिक्सर'! 2
❖ रफ्तार और नशा बन रहा काल, सड़क हो रही लाल! 5
❖ 20 प्रतिशत गिरा शेयर, 1997 के बाद न्यूनतम स्तर पर 7
❖ अक्षय की कॉमेडी टाइमिंग की दीवानी हैं अनन्या

अखबार वो जो दिखाता है सच

हिन्दी दैनिक

तेजयुग न्यूज़

स्थापना दिवस 2024

www.tejyug.com

• वर्ष/year : 01 • अंक/issu : 61 • पृष्ठ/page 12 • मूल्य/rate : 3 ₹

● शनिवार, 02 मार्च, 2024
• Saterday, 02 March, 2024

हापुड़ से प्रकाशित/ Published From Hapur

UPHIN/2023/51292

सुप्रीम कोर्ट से आसाराम बापू को झटका

सजा निलंबित करने की मांग वाली याचिका पर विचार से इनकार

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म मामले में सेहत के आधार पर सजा निलंबित करने की मांग वाली स्वयंभू बाबा आसाराम बापू की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने आसाराम को पुलिस हिरासत में महाराष्ट्र के अस्पताल में इलाज कराने के लिए राजस्थान हाईकोर्ट का रुख करने को कहा है।

आसाराम की ओर से कोर्ट को बताया गया कि वह सरकारी वकील के इस बयान को स्वीकार करने को तैयार हैं कि वह महाराष्ट्र के खोपोली में माधवबाग हार्ट हॉस्पिटल में पुलिस हिरासत में इलाज करा सकते हैं। इस पर जस्टिस संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने राहत के लिए उसे राजस्थान उच्च न्यायालय जाने को कहा।

पीठ ने आसाराम से कहा कि वह माधवबाग हार्ट हॉस्पिटल में अपने इलाज के लिए राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष एक आवेदन दाखिल करें और इस पर कानून के अनुसार विचार किया जाएगा। न्यायमूर्ति खन्ना ने मामले में अपनी दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी अपील की सुनवाई में देरी करने के लिए आसाराम की ओर से किए गए जानबूझकर किए गए प्रयासों का भी जिक्र किया।

यह है मामला?

2018 में स्वयंभू बाबा को जोधपुर की विशेष POCSO कोर्ट ने दुष्कर्म सहित विभिन्न अपराधों के लिए दोषी ठहराया था। उसे बची हुई जिंदगी के लिए कारावास की सजा सुनाई गई थी। आश्रम में एक किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में इंदौर में गिरफ्तार किए जाने और फिर जोधपुर लाए जाने के बाद वह 2 सितंबर 2013 से हिरासत में है। किशोरी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि 15 अगस्त 2013 की रात आसाराम ने उसे जोधपुर के पास मणाई स्थित अपने आश्रम में बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

कार्रवाई से बचने के लिए दलदल में छिपा आरोपी

तेजयुग न्यूज

मुंबई। पालघर जिले के एक गांव में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर 92 वर्षीय बुजुर्ग और उनके छोटे भाई की हत्या कर दी। हत्या के बाद कार्रवाई से बचने के लिए वह झील के पास एक दलदल में छिप गया था। हालांकि, पुलिस ने उसे वहां से निकालकर गिरफ्तार किया है।

यह दोहरा हत्याकांड गुरुवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे कूदन गांव में हुआ। आरोपी की पहचान किशोर जगन्नाथ मंडल के तौर पर की गई है। इस हत्याकांड के चार घंटे बाद ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था।

पहले 92 वर्षीय बुजुर्ग और उसके भाई की हत्या की

मानसिक रूप से बीमार आरोपी ने 92 वर्षीय मुकुंद विठोभा पाटिल और 84 वर्षीय भीमराव पर पहले हमला किया और फिर वहां से फरार हो गया। पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद दोनों भाइयों के शव को पोस्ट मॉर्टम के लिए भेजा गया। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने ऑपरेशन चलाया और रात के साढ़े 11 बजे उसे को झील के पास एक दलदल से बाहर निकाला गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल हत्या के मकसद का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि घटना के दो दिन पहले आरोपी को गांव के बाहर घूमते हुए पाया गया था। मामले की जांच अभी जारी है।

हापुड़ **पारा** अपडेट

मैक्सिमम	मिनीमम
22.00°C°C	11.00 °C°C

सूर्यास्त (आज) ›› 17.10 बजे

सूर्योदय (कल) ›› 06.25 बजे

पर्यटकों और निवेश आकर्षित करने की पहल

दुबई: आज से करीब 10 साल से कुछ अधिक समय पहले, अक्टूबर 2013 में, बुडापेस्ट से आने वाली विज एयर ए320 ने अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, जिसे दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (डीडब्ल्यूसी) के नाम से भी जाना जाता है, पर उतरने वाली पहली वाणिज्यिक यात्री उड़ान बनकर सुर्खियां बटोरीं। दुबई शहर से लगभग 20 मील दक्षिण-पश्चिम में यह बिल्कुल नया ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, निकट भविष्य में, दुनिया का सबसे बड़ा और व्यस्ततम बनने के लिए डिजाइन किया गया था। भविष्य के मेगा-हब के लिए दृष्टिकोण था - और अभी भी है, यह सुनिश्चित करना कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख नोड के रूप में अमीरात की भूमिका जल्द ही क्षमता समस्याओं में न चले। दुबई एयरपोर्ट्स, हवाईअड्डा प्राधिकरण जो दुबई इंटरनेशनल (डीएक्सबी) और नए हवाईअड्डे दोनों का प्रबंधन करता है, ने वादा किया है कि जब अल मकतूम इंटरनेशनल समाप्त हो जाएगा, तो यह प्रति वर्ष 160 मिलियन से अधिक यात्रियों के साथ-साथ 12 मिलियन टन माल ढुलाई को संभालने में सक्षम होगा। हालाँकि, उस प्रारंभिक यात्री उड़ान के एक दशक और एक महामारी के बाद, और कार्गो संचालन के लिए पहली बार खुलने के पूरे 13 साल बाद, दुबई का सबसे नया हवाई अड्डा अभी भी प्रगति पर है। हाल ही में 2023 में अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक उद्देश्य-निर्मित स्थल पर आयोजित दुबई एयर शो ने डीडब्ल्यूसी के लिए आगे क्या है, इसके बारे में कुछ दिलचस्प संकेत दिए। दुबई एयरपोर्ट्स के सीईओ पॉल ग्रिफिथ्स ने बताया, हमने अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं और योजनाओं को पूरा करने के लिए डीएक्सबी में विस्तार और निवेश को प्राथमिकता दी है। यह तब तक जारी रहेगा जब तक सभी संभावित क्षमता समाहित नहीं हो जाती। ग्रिफिथ्स का कहना है कि योजना अंतरिक्ष के उपयोग पर पुनर्विचार करने के लिए नवीन प्रौद्योगिकी और नवीनीकरण के अनुप्रयोग के माध्यम से वर्तमान क्षमता को अधिकतम करने की है, जिससे डीएक्सबी की 100 मिलियन यात्रियों की वर्तमान वार्षिक क्षमता में 20 मिलियन अतिरिक्त यात्री जुड़ जाएंगे।

झारखंड को पैंतीस हजार करोड़ से अधिक की सौगात मिली

सिंदरी कारखाना को पीएम मोदी ने किया चालू

तेजयुग न्यूज

धनबाद: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 मार्च को झारखंड में 35,700 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। विभिन्न परियोजनाओं के बीच, उन्होंने धनबाद जिले के सिंदरी में हिंदुस्तान उर्वरक और रसायन लिमिटेड के 8,900 करोड़ रुपये के उर्वरक संयंत्र को राष्ट्र को समर्पित किया। यह संयंत्र प्रति वर्ष लगभग 12.7 एलएमटी (लाख मीट्रिक टन) स्वदेशी यूरिया उत्पादन जोड़ेगा, जिससे किसानों को लाभ होगा।

गोरखपुर और रामागुंडम में ऐसी सुविधाओं के बाद यह देश में पुनर्जीवित होने वाला तीसरा उर्वरक संयंत्र है, जिन्हें क्रमशः दिसंबर 2021 और नवंबर 2022 में प्रधान मंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत का यूरिया उत्पादन 2014 में 225 लाख टन से बढ़कर अब 310 लाख टन तक पहुंच गया है, जो उर्वरक में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएम मोदी ने झारखंड में 26,000 करोड़ से अधिक की रेल, बिजली और कोयला परियोजनाओं की भी शुरूआत की।

सभा को संबोधित करते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि आज झारखंड में 35,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाएं शुरू की गई हैं और राज्य के किसानों, आदिवासियों और नागरिकों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने सिंदरी फर्टिलाइजर प्लांट शुरू करने के अपने संकल्प को याद करते हुए कहा, यह मोदी की गारंटी थी और आज यह गारंटी पूरी हो गई है। प्रधानमंत्री ने 2018 में उर्वरक संयंत्र की नींव रखी थी। उन्होंने कहा कि इस संयंत्र के शुरू होने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नये रास्ते खुले हैं। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में आज की पहल के महत्व पर प्रकाश डाला।

भारत की बढ़ती क्षमता और तेज गति से विकास को दशार्ती है : मोदीं

प्रधानमंत्री ने कहा, सरकार ने पिछले 10 वर्षों में आदिवासी समुदाय, गरीबों, युवाओं और महिलाओं के विकास को प्राथमिकता देकर झारखंड के लिए काम किया है। 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के महत्व पर जोर देते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और कल सामने आए नवीनतम तिमाही के आर्थिक आंकड़ों पर प्रकाश डाला। उन्होंने रेखांकित किया कि अक्टूबर से दिसंबर 2023 तक वित्तीय तिमाही के दौरान दर्ज की गई 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में भारत की बढ़ती क्षमता और तेज गति से विकास को दशार्ती है। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा झारखंड के राज्यपाल श्री सी पी राधाकृष्णन, झारखंड के मुख्यमंत्री श्री चंपई सोरेन और केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा उपस्थित थे।

शहर ही नही गांव भी बनेंगे स्मार्ट : गडकरी

4100 करोड़ की परियोजनाओं का किया लोकार्पण, ज़िले की सड़कों को मिली करोड़ों की सौगात

तेजयुग न्यूज

रायबरेली। केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जीआईसी ग्राउंड से आठ परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया जिनकी कुल लागत लगभग 4100 करोड़ है।

परियोजनाओं में रायबरेली प्रतापगढ़ जौनपुर खंड समानांतर लालगंज आझारा से रानीगंज तक ग्रीन फील्ड बाईपास हाईवे का निर्माण, टांडा रायबरेली खंड का सुदृढ़ीकरण, रायबरेली शहरी क्षेत्र से बांदा खंड का सुदृढ़ीकरण, सलोन, नसीराबाद जायस, जगदीशपुर खंड का निर्माण कार्य, लाल गोपालगंज से नवाबगंज तक फोरलेन सड़क का निर्माण, नवाबगंज से मलाकहरहर तक सड़क का निर्माण, लखनऊ रायबरेली खंड में रतापुर व त्रिपुला चौराहे पर दो उपरिगामी सेतु का निर्माण के साथ रायबरेली में फोरलेन रिंग रोड पैकेज टू का निर्माण कार्य शामिल है। जनता को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश का विकास सड़कों और राजमार्गों से ही संभव है। उन्होंने कहा कि जब अटल बिहारी वाजपेई देश के प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने कहा था कि भारत के पिछडेपन का कारण उसकी सड़के हैं। इसको अमल में लेते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना शुरू की थी। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सड़कों के विकास में प्रगति हुई है उन्होंने कहा कि मैंने भारत की सड़कों का अध्ययन किया और पाया कि यदि देश की सड़के सुधर जाए तो देश बहुत जल्दी ही विकसित राष्ट्र बन जाएगा। सड़के अच्छी होने से स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यवसाय, रोजगार, पानी और आयात निर्यात की सुविधा होती है। सड़कों के निर्माण से गांव, गरीब और समाज का कल्याण होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री के कथनों को दोहराते हुए कहा कि हमारे शहर ही स्मार्ट सिटी ना बने बल्कि गांव भी स्मार्ट गांव बने।

उन्होंने भारत की क्रूड ऑयल निर्भरता के संबंध में बोलते हुए कहा कि अब हमारी चीनी मिलों से एथेनॉल बनाए जाने लगा है जिससे हमारी खाड़ी देशों से क्रूड ऑयल की आत्मनिर्भरता कम हुई है। हम लोग एथेनॉल के माध्यम से स्वयं ही बायो डीजल बनाने लगे हैं। जिससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी बल्कि पर्यावरण भी स्वच्छ होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत भय,भूख और भ्रष्टाचार मुक्त हो रहा है। जिससे कंपनियां हमारे यहां निवेश करेंगी जिससे प्रदेश के लोगों को रोजगार मिलेगा। जनपद की जनता को सड़कों की सौगात देते हुए उन्होंने रायबरेली से बछरावां, लालगंज और मोहनलालगंज के लिए बाईपास की घोषणा की। इस अवसर पर मंच पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह,उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, सदर विधायक अदिति सिंह,प्रतापगढ़ सांसद संगम लाल गुप्ता, फूलपुर सांसद स्नेह लता पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी के अतिरिक्त पूर्व विधायक भी उपस्थित रहे।

चमत्कार से रातों-रात गड्ढा युक्त सडक बनी गड्ढा मुक्त

रायबरेली। जिले में वीवीआईपी के आने के बाद जिस तरह सालों से गड्ढा मुक्त पुलिस लाइन से सभा स्थल तक की सड़क को रातों रात गड्ढा मुक्त कर वह किसी चमत्कार और सपने से कम नहीं था। शुक्रवार को देश के सड़क परिवहन केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी का जिले में आगगन हुआ इत्तफाक से सभा स्थल तक पहुंचने वाली सड़क कि स्थिति यह थी कि सडक में गड्ढे नहीं गड्ढों में सडक कहा जाए तो गलत नहीं होगा लेकिन संबंधित विभाग के इतने बड़े वीवीआईपी के आने पर फजीह्त से बचने और अपना नंबर बढ़ाने के लिए रातों रात सड़क का कायाकल्प कर दिया गया। वर्षों से परेशान जनता का यही कहना है कि अगर ऐसे चमत्कार हो सकते हैं तो वीवीआईपी का रोज ही जिले में आगमन होना चाहिए।

बेंगलुरु के प्रसिद्ध रामेश्वर कैफे में जोरदार विस्फोट

विस्फोट में चार लोग घायल हुए है

तेजयुग न्यूज

बेंगलुरु: बेंगलुरु के कुंडलहल्ली में एक कैफे में आज हुए विस्फोट में नौ लोग घायल हो गए, पुलिस ने कहा। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पड़ोस के एक लोकप्रिय रेस्तरां, द रामेश्वरम कैफे में विस्फोट का कारण क्या था। एनआईए की एक टीम कैफे पहुंच गई है। पुलिस ने बताया कि घायलों में तीन लोग कैफे के कर्मचारी हैं, जबकि चौथा ग्राहक है। सूत्रों ने कहा कि पुलिस ने किसी भी पहलू से इनकार नहीं किया है। एक बम निरोधक दस्ता और एक फोरेंसिक टीम कैफे में मौजूद है।

सूत्रों ने कहा कि विस्फोट के बाद कोई आग नहीं लगी, यह रसोई गैस सिलेंडर विस्फोट जैसा नहीं लगता है। भाजपा के बेंगलुरु दक्षिण सांसद तेजस्वी सूर्या ने एक्स, जो पहले ट्विटर पर था, पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने कैफे मालिक से बात की कि क्या हो सकता है। विस्फोट के कारण चार लोग घायल हो गए। रामेश्वरम कैफे के संस्थापक श्री नागराज से उनके रेस्तरां में विस्फोट के बारे में बात की।

दस कुकी विधायकों ने त्रिपक्षीय समझौते को रद्द करने के प्रस्ताव की निंदा की

विधायकों ने गृह मंत्रालय भारत सरकार से अपील की

तेजयुग न्यूज

गुवाहाटी : कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (केएनओ) और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट (यूपीएफ) के साथ संचालन निलंबन के लिए त्रिपक्षीय समझौते को रद्द करने की मांग करने वाले मणिपुर विधानसभा के आज के प्रस्ताव के जवाब में, कुकी-जोमी-हमार समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले दस विधायकों ने अपने समुदाय के खिलाफ पूर्वाग्रह और पूर्वाग्रह का हवाला देते हुए फैसले की जोरदार निंदा की।

हाओखोलेट किपगेन, एलएम खौते, न्गुरसंगलुर सानेट, चिनलुंथांग, किमनेओ हाओकिप हैंगशिंग, लेतपाओ हाओकिप, नेम्चा किपगेन, पाओलिनलाल हाओकिप, लेत्जामांग हाओकिप और वुंगजागिन वाल्टे सहित दस कुकी-जोमी-हमार विधायकों द्वारा जारी बयान में प्रस्ताव के प्रति अपनी असहमति और अस्वीकृति व्यक्त की गई, जिसे उन्होंने एकतरफा और एक अदूरदर्शी दृष्टिकोण के रूप में

समझा। हाओखोलेट किपगेन, एल.एम. खाउते, नगुर्सांगलुर सनाटे, चिनलुनथांग, किम्नेओ हाओकिप हैंगशिंग, लेटपाओ हाओकिप, नेम्चा किपगेन, पाओलिएनलाल हाओकिप, लेटजमंग हाओकिप और वुंगजागिन वाल्टे सहित दस कुकी-जोमी-हमर विधायकों द्वारा जारी बयान में अपनी असहमति व्यक्त की गई।

22 अगस्त, 2008 को हस्ताक्षरित त्रिपक्षीय समझौते के महत्व पर जोर देते हुए, विधायकों ने मणिपुर, विशेषकर पहाड़ी जिलों में हिंसा को कम करने में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने एक मजबूत तंत्र, संयुक्त निगरानी समूह (जेएमजी) के अस्तित्व पर जोर दिया, जो समझौते के जमीनी नियमों के पालन की निगरानी के लिए जिम्मेदार है। विधायकों ने विधानसभा के प्रस्ताव के आधार पर सवाल उठाया, इस बात पर चिंता जताई कि क्या इसे जेएमजी की किसी रिपोर्ट या टिप्पणियों द्वारा सूचित किया गया था।

उन्होंने इस प्रस्ताव की आलोचना करते हुए कहा कि यह स्थिति के तथ्यात्मक आकलन के बजाय उनके समुदाय के प्रति शत्रुता और घृणा से प्रेरित है।इसके अलावा, प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के एक गुट के साथ हाल ही में शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने की ओर इशारा किया और सुझाव दिया कि प्रस्ताव में मौजूदा हिंसा में इस संगठन द्वारा निभाई गई भूमिका को संबोधित किया जाना चाहिए था। विधायकों ने भारत सरकार के गृह मंत्रालय से अपील की कि कुकी-जोमी-हमार लोगों के साथ आगे भेदभाव और अलगाव को रोकने के लिए स्थिति का निष्पक्ष और उचित मूल्यांकन किया जाए।

मणिपुर में दो समुदायों के बीच 3 मई, 2023 को शुरू हुई हिंसा में कुल 13,274 संरचनाएं नष्ट हो गईं और जलकर खाक हो गईं। राज्य के विभिन्न जिलों में क्षतिग्रस्त या नष्ट हुई संरचनाओं का आकलन और पहचान अभी भी जारी है। यह बात मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में विपक्षी कांग्रेस विधायक सुरजाकुमार ओकराम द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में कही।